

L. A. BILL No. XXVII OF 2022.

A BILL

**TO PROVIDE FOR CREATION OF SUPERNUMERARY POSTS IN THE
CADRE OF CIVIL SERVICES AND POSTS OF THE GOVERNMENT,
GOVERNMENT DEPARTMENTS AND OFFICES OR AUTHORITIES
SUBORDINATE THERETO AND TO APPOINT CANDIDATES
SELECTED AND RECOMMENDED BY SELECTION
AUTHORITIES THEREON.**

सन २०२२ चे विधानसभा विधेयक क्रमांक २७.

१० शासनाच्या, शासकीय विभागांच्या आणि त्यांच्या दुव्यम कार्यालयांच्या किंवा प्राधिकरणांच्या नागरी सेवा व पदे यांच्या संवर्गात अधिसंख्य पदे निर्माण करण्यासाठी आणि निवड प्राधिकरणांनी निवड केलेल्या व शिफारस केलेल्या उमेदवारांची त्यांवर नियुक्ती करण्यासाठी तरतूद करण्याकरिता विधेयक.

(विधानसभेने दिनांक २५ ऑगस्ट, २०२२ रोजी संमत केल्याप्रमाणे.)

१५ ज्याअर्थी, शासनाच्या, शासकीय विभागांच्या आणि त्यांच्या दुव्यम कार्यालयांच्या किंवा प्राधिकरणांच्या नागरी सेवा व पदे यांच्या संवर्गात अधिसंख्य पदे निर्माण करण्यासाठी आणि निवड प्राधिकरणांनी निवड केलेल्या व शिफारस केलेल्या उमेदवारांची त्यांवर नियुक्ती करण्यासाठी आणि तत्संबंधित किंवा तदानुषंगिक बाबींसाठी तरतूद करणे इष्ट आहे; त्याअर्थी, भारतीय गणराज्याच्या त्र्याहत्तराब्या वर्षी, याद्वारे, पुढील अधिनियम करण्यात येत आहे :—

२० १. या अधिनियमास, महाराष्ट्र अधिसंख्य पदांची निर्मिती व निवड केलेल्या उमेदवारांची नियुक्ती संक्षिप्त नाव. अधिनियम, २०२२, असे म्हणावे.

व्याख्या.

२. या अधिनियमात, संदर्भानुसार दुसरा अर्थ आवश्यक नसेल तर,—

(क) “ सक्षम प्राधिकरण ” याचा अर्थ, अनुसूचीमध्ये विनिर्दिष्ट केलेल्या संवर्गातील पदांवर उमेदवारांची निवड किंवा नियुक्ती करण्याकरिता सक्षम असणारे प्राधिकरण, असा आहे ;

(ख) “ शासन ” याचा अर्थ, महाराष्ट्र शासन, असा आहे ;

(ग) “ अनुसूची ” याचा अर्थ, या अधिनियमाला जोडलेली अनुसूची, असा आहे ;

(घ) “ निवड प्राधिकरण ” याचा अर्थ, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, जिल्हा निवड समित्या आणि शासन, शासकीय विभाग व त्यांची दुय्यम कार्यालये किंवा प्राधिकरणे यांच्या सेवा व पदे यांसाठी उमेदवारांची निवड करण्यासाठी सक्षम असणारी इतर निवड प्राधिकरणे, असा आहे ;

(ङ) “ उमेदवार ” याचा अर्थ, अनुसूचीमध्ये नमूद केलेल्या नागरी सेवा व पदे यांच्या संवर्गामधील नियुक्त्यांसाठी संबंधित निवड प्राधिकरणाने निवड केलेले व शिफारस केलेले उमेदवार, असा आहे. १०

अधिसंख्य पदांची

निर्मिती. ३. कोणत्याही न्यायालयाच्या कोणत्याही न्यायनिर्णयात, हुक्मनाम्यात किंवा आदेशात अथवा शासनाने, शासकीय विभागांनी आणि त्यांच्या दुय्यम कार्यालयांनी किंवा प्राधिकरणांनी काढलेल्या सेवाप्रवेश नियमांमध्ये किंवा आदेशांमध्ये काहीही अंतर्भूत असले तरी, अनुसूचीमध्ये नमूद केलेल्या नागरी सेवा व पदे यांच्या संवर्गामध्ये अधिसंख्य पदे निर्माण करण्यात येतील.

नागरी सेवा व पदे
यांमधील
उमेदवारांच्या
निवडीची
विधिग्राह्यता; आणि
त्यांच्या नियुक्त्या.

४. (१) कोणत्याही न्यायालयाच्या कोणत्याही न्यायनिर्णयात, हुक्मनाम्यात किंवा आदेशात अथवा १५ शासनाने काढलेल्या सेवाप्रवेश नियमांमध्ये किंवा आदेशांमध्ये काहीही अंतर्भूत असले तरी, ज्या उमेदवारांची, शासनाच्या, शासकीय विभागांच्या आणि त्यांच्या दुय्यम कार्यालयांच्या किंवा प्राधिकरणांच्या नागरी सेवा व पदे यांवर नियुक्त्या करण्यासाठी निवड प्राधिकरणाने निवड केलेली आहे, आणि ज्यांची नावे, अनुसूचीमध्ये नमूद केलेल्या नागरी सेवा व पदे यांच्या संवर्गामध्ये अधिसंख्य अशा नियुक्त्या करण्यासाठी ९ सप्टेंबर २०२० रोजी किंवा त्यापूर्वी शासनाकडे किंवा शासकीय विभागांकडे आणि त्यांच्या दुय्यम कार्यालयांकडे किंवा प्राधिकरणांकडे अथवा सक्षम २० प्राधिकरणांकडे शिफारस केलेली आहेत अशा उमेदवारांची, वैध रीतीने निवड करण्यात आली असल्याचे मानण्यात येईल आणि अशा उमेदवारांची, शासनाच्या, शासकीय विभागांच्या आणि त्यांच्या दुय्यम कार्यालयांच्या किंवा प्राधिकरणांच्या संबंधित संवर्गामध्ये, कलम ३ अन्वये निर्माण केलेल्या अधिसंख्य पदांवर, उक्त संवर्गासाठी व पदांसाठी लागू असलेल्या संबंधित नियमांच्या प्रक्रियेनुसार, नियुक्ती करण्यात येईल.

(२) संबंधित शासकीय विभाग आणि त्यांची दुय्यम कार्यालये किंवा प्राधिकरणे, त्यासाठीच्या प्रक्रियेचे २५ अनुसरण करून, उक्त उमेदवारांना नियुक्ती देतील.

(३) अशा उमेदवारांना, सेवेमध्ये रुजू होण्याचा विकल्प देण्यात येईल. उमेदवार, त्यात विनिर्दिष्ट केलेल्या कालावधीत सेवेमध्ये रुजू होतील. उक्त कालावधी समाप्त झाल्यानंतर कोणत्याही उमेदवारास सेवेमध्ये रुजू होण्यास मुभा देण्यात येणार नाही.

(४) शासनास, अधिनियमाच्या अनुपालनाकरिता आवश्यक सूचना किंवा आदेश काढता येतील. ३०

अडवणी दूर
करण्याचा
अधिकार.

५. (१) जर या अधिनियमाच्या तरतुदी अंमलात आणताना कोणतीही अडचण उद्भवल्यास, शासनास, प्रसंगानुरूप उद्भवेल त्याप्रमाणे, ती अडचण दूर करण्यासाठी त्यास आवश्यक किंवा इष्ट वाटेल अशी या अधिनियमाच्या तरतुदीशी विसंगत नसलेली कोणतीही गोष्ट, शासकीय राजपत्रात प्रसिद्ध केलेल्या आदेशाद्वारे करता येईल :

परंतु, या अधिनियमाच्या प्रारंभाच्या दिनांकापासून दोन वर्षांचा कालावधी समाप्त झाल्यानंतर, असा ३५ कोणताही आदेश काढण्यात येणार नाही.

(२) या कलमान्वये काढलेला प्रत्येक आदेश, तो काढण्यात आल्यानंतर, शक्य तितक्या लवकर, राज्य विधानमंडळाच्या प्रत्येक सभागृहासमोर मांडण्यात येईल.

अनुसूची
(कलमे ३ व ४ पहा)

| अ.क्र. | विभागाचे नाव | संवर्ग | गट | पदांची संख्या | |
|--------|---|--|-----|---------------|-----|
| | (१) | (२) | (३) | (४) | (५) |
| ५ | सामान्य प्रशासन विभाग. | (एक) कक्ष अधिकारी | ब | १ | |
| | | (दोन) लिपिक-नि-टंकलेखक | क | १२ | |
| १० | महसूल व वन विभाग. | (एक) उप जिल्हाधिकारी | अ | ३ | |
| | | (दोन) तहसीलदार | अ | १० | |
| | | (तीन) उप अधीक्षक | ब | १ | |
| | | (चार) नायब तहसीलदार | ब | १३ | |
| | | (पाच) वनरक्षक | क | १० | |
| | | (सहा) लिपिक | क | ४ | |
| | | (सात) तलाठी | क | १० | |
| | | (आठ) शिपाई | ड | २ | |
| १५ | कृषी, पशुसंवर्धन, दुधव्यवसाय विकास व मत्स्यव्यवसाय विभाग. | (एक) कृषी सहायक | क | १३ | |
| | | (दोन) पशुधन पर्यवेक्षक | क | १ | |
| २० | वित्त विभाग. | (एक) राज्य सहायक कर आयुक्त | अ | ३ | |
| | | (दोन) राज्य कर निरीक्षक | ब | १३ | |
| | | (तीन) वरिष्ठ सहायक (लेखा) | ब | १ | |
| | | (चार) कर सहायक | क | १२ | |
| २५ | ग्राम विकास विभाग. | (एक) आरोग्य सेवक (पुरुष) | क | ४ | |
| | | (दोन) ग्रामसेवक | क | १ | |
| | | (तीन) आरोग्य सेवक (स्त्री) | क | ४ | |
| | | (चार) कनिष्ठ अभियंता सूक्ष्म सिंचन | क | १ | |
| | | (पाच) स्थापत्य अभियांत्रिकी सहायक | क | ३ | |
| | | (सहा) कनिष्ठ अभियंता (ग्रामीण पाणी पुरवठा) | क | १ | |
| | | (सात) पशुधन पर्यवेक्षक | क | १ | |
| | | (आठ) परिचर | ड | २ | |
| ३० | नगरविकास विभाग. | (एक) पशुवैद्यकीय अधिकारी | अ | २ | |
| | | (दोन) कनिष्ठ अभियंता (स्थापत्य) | ब | २ | |
| | | (तीन) दुर्यम अभियंता (स्थापत्य) | ब | २ | |
| | | (चार) दुर्यम अभियंता (यांत्रिकी व विद्युत) | ब | १ | |

अनुसूची—चाल

| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) |
|-----|---|--|--------------|-----|
| | | (पाच) जन्म नोंदणी कारकुन/ मृत्यु नोंदणी कारकुन/ नोटीस कारकुन | क | १ |
| | | (सहा) शाखा अभियंता | ब | १ |
| | | (सात) कनिष्ठ अभियंता | क | १ |
| | | (आठ) कनिष्ठ अभियंता (संकेतन व दूरसंचारण) | क | १ |
| | | (नऊ) कनिष्ठ अभियंता (भांडार) | क | १ |
| | | (दहा) (स्थानक नियंत्रक) | क | ३ |
| | | (अकरा) सुरक्षा पर्यवेक्षक-II | क | १ |
| | | (बारा) तंत्रज्ञ स्थापत्य-II | क | १ |
| | | (तेरा) तंत्रज्ञ (आपत्कालीन परिरक्षा) | क | १ |
| | | (चौदा) तंत्रज्ञ (आपत्कालीन परिरक्षा-II) | क | २ |
| | | (पंधरा) तंत्रज्ञ-I | क | १ |
| | | (सोळा) तंत्रज्ञ (संकेतन व दूरसंचारण-II) | क | १ |
| | | (सतरा) तंत्रज्ञ-II | क | १६ |
| | | (अठरा) मदतनीस | ड | २ |
| | | | | |
| ७ | उद्योग, ऊर्जा व कामगार विभाग (उद्योग संचालनालय) | (एक) उद्योग उप संचालक (तांत्रिक) | अ | २ |
| | | (दोन) उद्योग अधिकारी | ब | १२ |
| | महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ. | (एक) कार्यकारी अभियंता | अ | १ |
| | | (दोन) उप अभियंता (विद्युत व यांत्रिकी) | अ | १ |
| | महानिर्मिती | तंत्रज्ञ-III | क | ८५ |
| | महावितरण | (एक) अतिरिक्त कार्यकारी अभियंता (स्थापत्य) | वेतन गट १ | १ |
| | | (दोन) अतिरिक्त कार्यकारी अभियंता (वितरण) | वेतन गट १ | ४ |
| | | (तीन) उप कार्यकारी अभियंता (वितरण) | वेतन गट २ | ७ |
| | | (चार) उप कार्यकारी अभियंता (स्थापत्य) | वेतन गट २ | १ |
| | | (पाच) सहाय्यक अभियंता (स्थापत्य) | वेतन गट २ | ४ |
| | | | | |

अनुसूची—चालू

| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) |
|-----|-----------------------------|---|--------------|-----|
| ५ | | (सहा) कनिष्ठ अभियंता (स्थापत्य) | वेतन गट ३ | २ |
| | | (सात) विद्युत सहायक | वेतन गट ४ | ३९१ |
| | | (आठ) पदवीधर शिकाऊ अभियंता (स्थापत्य) | ब | ४ |
| | | (नऊ) पदविकाधारक शिकाऊ अभियंता (वितरण) | क | ४३ |
| | | (दहा) पदविकाधारक शिकाऊ अभियंता (स्थापत्य) | क | २ |
| | | (अकरा) पदविकाधारक शिकाऊ अभियंता (वितरण) (अंतर्गत अधिसूचना) | क | ५ |
| | | (बारा) उपकेंद्र सहायक | क | २७९ |
| ८ | आदिवासी विकास विभाग | अधीक्षक (स्त्री) | क | १ |
| ९ | सार्वजनिक बांधकाम विभाग. | (एक) स्थापत्य अभियांत्रिकी सहायक | ब | ३ |
| | | (दोन) कनिष्ठ लिपिक | क | ३ |
| | | (तीन) कनिष्ठ लिपिक-टंकलेखक | क | ३ |
| | | (चार) खानसामा | ड | २ |
| | | (पाच) मैलमजूर | ड | ६ |
| | | (सहा) चौकीदार | ड | २ |
| | | (सात) शिपाई | ड | ३ |

अनुसूची—समाप्त

| (१) | (२) | (३) | (४) | (५) |
|-----|--|--|------|------|
| १० | गृह विभाग | (एक) पोलीस उप अधीक्षक/ सहायक पोलीस आयुक्त | अ | १ |
| | राज्य उत्पादन शुल्क | (एक) सहायक आयुक्त | अ | १ |
| | | (दोन) उप अधीक्षक | ब | ५ |
| | | (तीन) दुव्यम निरीक्षक | क | ३ |
| ११ | शालेय शिक्षण विभाग | उप शिक्षण अधिकारी | अ | ४ |
| १२ | वैद्यकीय शिक्षण व औषधिद्रव्ये विभाग/ जिल्हा परिषद. | औषध निर्माण अधिकारी | ब | १ |
| | | | एकूण | १०६४ |

५

१०

उद्देश व कारणे यांचे निवेदन.

महाराष्ट्र राज्यातील सामाजिक व शैक्षणिकदृष्ट्या मागास (एसइबीसी) वर्गाकरिता (राज्यातील शैक्षणिक संस्थांमधील प्रवेशाकरिता जागांचे आणि राज्याच्या नियंत्रणाखालील लोकसेवांमधील नियुक्त्यांचे आणि पदांचे) आरक्षण अधिनियम, २०१८ (२०१८ चा महा. ६२) याद्वारे मराठा समाजासह नागरिकांच्या सामाजिक व शैक्षणिकदृष्ट्या मागास वर्गाकरिता राज्याच्या नियंत्रणाखालील लोकसेवा व पदे यांमधील नियुक्त्यांसाठी जागांचे आरक्षण देण्यात आले होते. संविधान (एकशे तीनावी सुधारणा) अधिनियम, २०१९ याद्वारे सुधारणा केल्याप्रमाणे संविधानाच्या अनुच्छेद १६ (६) च्या तरतुदीनुसार आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटकांना (इडब्ल्यूएस) देखील आरक्षण देण्यात आले होते.

२. सन २०१८ च्या उक्त महाराष्ट्र अधिनियम क्रमांक ६२ यास मुंबई उच्च न्यायालयासमोर आव्हान देण्यात आले होते. उच्च न्यायालयाने उक्त अधिनियमाच्या तरतुदी कायम केल्या होत्या; तथापि, त्यास अपिलामध्ये सर्वोच्च न्यायालयासमोर आव्हान देण्यात आले होते. माननीय सर्वोच्च न्यायालयाने, डॉ. जयश्री लक्ष्मणराव पाटील विरुद्ध मुख्यमंत्री आणि इतर (२०२० चे दिवाणी अपील क्रमांक ३१२३) आणि संबंधित अपिले व रिट याचिका यांमध्ये दिलेल्या आपल्या दिनांक ५ मे, २०२१ च्या आदेशाद्वारे, उक्त अधिनियम रद्द केला आहे. माननीय सर्वोच्च न्यायालयाने असा निर्णय दिला आहे की, “ उच्च न्यायालयाच्या दिनांक २७-०६-२०१९ च्या आदेशानंतर या न्यायालयाने दिनांक ०९-०९-२०२० रोजी दिलेल्या आदेशापर्यंत लोकसेवांमधील मराठा समाजाच्या सदस्यांच्या केलेल्या सर्व नियुक्त्या सुरक्षित राहतील. तथापि, सन २०१८ च्या अधिनियमान्वये विविध पाठ्यक्रमांमध्ये प्रवेश दिलेल्या अशा मराठा विद्यार्थ्यांकडून किंवा ज्यांची राज्यातील लोकसेवांमध्ये नियुक्ती करण्यात आली होती त्या मराठा विद्यार्थ्यांकडून आणखी कोणत्याही लाभांसाठी दावा करता येऊ शकणार नाही. ”.

३. महाराष्ट्र लोकसेवा आयोगाकडून, जिल्हा निवड समित्यांकडून आणि शासनासाठी, शासकीय विभागांसाठी आणि त्यांच्या दुय्यम कार्यालयांसाठी किंवा प्राधिकरणांसाठी उमेदवारांची निवड करण्यास सक्षम असणाऱ्या इतर निवड प्राधिकरणांकडून, स्पर्धात्मक निवड प्रक्रियेमार्फत सामाजिक व शैक्षणिकदृष्ट्या मागास वर्गाच्या उमेदवारांसह सर्व प्रवर्गातील उमेदवारांची लोकसेवांमध्ये व पदांवर थेट भरती करण्यात आली होती. उक्त प्रवर्गातील अनेक उमेदवारांना, स्पर्धा परीक्षांमधील त्यांच्या गुणवत्तेनुसार, नियुक्त्या देण्यात आल्या आहेत. उच्च न्यायालयाच्या दिनांक २७ जून, २०१९ च्या न्यायनिर्णयानंतर, सर्वोच्च न्यायालयाने, दिनांक ९ सप्टेंबर, २०२० रोजी दिलेल्या आदेशापर्यंत सामाजिक व शैक्षणिकदृष्ट्या मागास वर्गाच्या उमेदवारांना लोकसेवांमध्ये दिलेल्या नियुक्त्यांना, सर्वोच्च न्यायालयाच्या आदेशाद्वारे संरक्षण देण्यात आले आहे. तथापि, यथोचित प्रक्रियेचे अनुसरण करून, संबंधित निवड प्राधिकरणांनी दिनांक ९ सप्टेंबर, २०२० पूर्वी उक्त प्रवर्गाच्या काही उमेदवारांची निवड केली होती, परंतु, निवड झालेल्या उक्त उमेदवारांना, राज्यातील कोविड-१९ सार्वत्रिक साथरोग व टाळेबंदी यांमुळे नियुक्तीपत्रे देणे शक्य झाले नाही, त्यामुळे ते उमेदवार अशा नियुक्त्यांपासून वंचित राहिलेले आहेत.

४. माननीय सर्वोच्च न्यायालयाच्या न्यायनिर्णयानंतर, संबंधित निवड प्राधिकरणांद्वारे मूळ निवड याद्या सुधारित करण्यात आल्या होत्या. मूळ निवड याद्यांची सुधारणा केल्यामुळे, जे उमेदवार मूळ निवड याद्यांच्या तळस्थानी होते अशा सर्व आरक्षित प्रवर्गामधील उमेदवारांसह अनेक उमेदवार, सुधारित निवड याद्यांमध्ये येऊ शकले नाहीत आणि म्हणून ते शासन सेवेमधील नियुक्त्यांपासून वंचित राहिले आहेत. उक्त उमेदवारांची कोणतीही चूक नसताना, त्यांना नियुक्त्या नाकारण्यात आलेल्या आहेत, असे शासनास वाटते.

५. ज्या उमेदवारांची, दिनांक ९ सप्टेंबर, २०२० पूर्वी निवड झाली होती परंतु, ज्यांना दिनांक ९ सप्टेंबर, २०२० पूर्वी शासकीय सेवांमध्ये नियुक्त्या देता येऊ शकल्या नाहीत असे उमेदवार, त्या दिनांकापूर्वी ज्या

उमेदवारांना नियुक्त्या दिलेल्या आहेत त्या उमेदवारांच्या समान स्थानी आहेत आणि ते परिस्थितीचे बळी ठरलेले आहेत. म्हणून, ज्या उमेदवारांची निवड प्रक्रिया, दिनांक ९ सप्टेंबर, २०२० पूर्वी समाप्त झालेली आहे आणि महाराष्ट्र लोकसेवा आयोगाने, जिल्हा निवड समित्यांनी व इतर निवड प्राधिकरणांनी यथोचित निवड प्रक्रिया पूर्ण केल्यानंतर, ज्यांची शासकीय सेवांमधील नियुक्त्यांसाठी शिफारस केलेली आहे, परंतु, राज्यातील कोविड-१९ सार्वत्रिक साथरोग व टाळेबंदी यांमुळे ज्यांना नियुक्तीपत्रे देता येऊ शकलेली नाहीत अशा उमेदवारांसाठी अनुसूचीत विनिर्दिष्ट केलेल्या संवर्गामध्ये अधिसंख्य पदे निर्माण करण्यासाठी आणि उक्त पदांवर त्यांना नियुक्त्या देण्यासाठी कायदा अधिनियमित करणे शासनाला इष्ट वाटते.

६. वरील उद्दिष्टे साध्य करणे हा या विधेयकाचा हेतू आहे.

मुंबई,
दिनांक २४ ऑगस्ट, २०२२.

एकनाथ संभाजी शिंदे,
मुख्यमंत्री.

वैधानिक अधिकार सोपविण्यासंबंधीचे ज्ञापन

या विधेयकात, वैधानिक अधिकार सोपविण्यासंबंधीचे पुढील प्रस्ताव अंतर्भूत आहेत :—

खंड ४(४).—या खंडान्वये, या अधिनियमाच्या अनुपालनाकरिता आवश्यक सूचना किंवा आदेश काढण्याचा अधिकार, राज्य शासनाकडे घेण्यात आला आहे.

खंड ५.—या खंडान्वये, या अधिनियमाच्या तरतुदी अंमलात आणताना कोणतीही अडचण उद्भवल्यास, ती अडचण, शासकीय राजपत्रात प्रसिद्ध केलेल्या आदेशाद्वारे दूर करण्याचा अधिकार, राज्य शासनाकडे घेण्यात आला आहे.

२. वैधानिक अधिकार सोपविण्यासंबंधीचे वर नमूद केलेले प्रस्ताव हे, सामान्य स्वरूपाचे आहेत.

वित्तीय ज्ञापन

या विधेयकाच्या खंड ४ मधे, नागरी सेवा व पदे यांमधील उमेदवारांच्या निवडीची विधिग्राह्यता ; आणि त्यांच्या नियुक्त्या यासाठी तरतूद केली आहे. खंड ४ च्या उप-खंड (१) मध्ये, अनुसूचीमध्ये नमूद केलेल्या, खंड ३ अन्वये निर्माण केलेल्या अधिसंख्य पदांवर नियुक्ती करण्याकरिता तरतूद केली आहे. सदर विधेयक, राज्य विधानमंडळाचा अधिनियम म्हणून अधिनियमित झाल्यावर, त्यामुळे राज्याच्या एकत्रित निधीमधून भागविण्यात यावयाचा, अंदाजे रुपये ७.४० कोटी इतका आवर्ती खर्च प्रत्येक वर्षा करावा लागणार आहे.

भारताच्या संविधानाच्या अनुच्छेद २०७ अन्वये राज्यपालांची शिफारस

(महाराष्ट्र शासन, विधी व न्याय विभाग, आदेशाची प्रत)

भारताच्या संविधानाच्या अनुच्छेद २०७ याच्या खंड (३) अन्वये महाराष्ट्राच्या राज्यपालांना प्रदान करण्यात आलेल्या शक्तींचा वापर करून, ते महाराष्ट्र अधिसंख्य पदांची निर्मिती व निवड केलेल्या उमेदवारांची नियुक्ती विधेयक, २०२२ विचारात घेण्याबाबत राज्य विधानमंडळाच्या दोन्ही सभागृहांना शिफारस करीत आहेत.

महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय

[सन २०२२ चे विधानसभा विधेयक क्रमांक २७.]

[शासनाच्या, शासकीय विभागांच्या आणि त्यांच्या
दुय्यम कार्यालयांच्या किंवा प्राधिकरणांच्या नागरी
सेवा व पदे यांच्या संवर्गात अधिसंख्य पदे निर्माण
करण्यासाठी आणि निवड प्राधिकरणांनी निवड
केलेल्या व शिफारस केलेल्या उमेदवारांची त्यांवर
नियुक्ती करण्यासाठी तरतूद करण्याकरिता
विधेयक.]

[श्री. एकनाथ संभाजी शिंदे,
मुख्यमंत्री.]

[विधानसभेने दिनांक २५ ऑगस्ट, २०२२ रोजी
संमत केल्याप्रमाणे.]

राजेन्द्र भागवत,
प्रधान सचिव.
महाराष्ट्र विधानसभा.